





## सम्पादकीय

आबादी की सीमा

**सं** युक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बढ़ती आबादी को लेकर जो अकलन पेश किए गए हैं, वे दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। स्वयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष ने दुनिया की बढ़ती आबादी को लेकर ताजा अंकड़े जारी कर दिए हैं खास बात यह है कि चाहे महिने बाद यारी पांद्र नवंबर को दुनिया की आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी के मामले में हम चीजों को पीछे छोड़ सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बढ़ती आबादी को लेकर जो अकलन पेश किए गए हैं, वे दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। कुछ छोटे और समुद्र देशों को छोड़ दिया जाए तो कमोंवेश सभी देशों की आबादी बढ़ रही है। फक्त बस यही है कि किसी की ज्यादा तो किसी की कम, फिर, आबादी बढ़ने के साथ-साथ संसाधनों का संकट भी बढ़ता जाता है। ऐसा होना स्वाभाविक है। ऐसे में सभी देशों के समान पहला बड़ा सवाल यही आता है कि इस बढ़ती हुई आबादी की बुनियादी जरूरतें कैसे पूरी हों? सबको दो वक्त का खाना, शिक्षा, स्वास्थ्य, रहने को घर, पानी आदि तो मुहूर्या करवाना ही होगा। इसमें कोई सदर्श नहीं कि बड़ी आबादी का प्रबंधन किसी भी देश के लिए आसान नहीं होता। पिछली आधी सदी के इतिहास पर गौर करें तो ज्यादातर एशिया, अफ्रीका और लातिन अमेरिका देशों के जिन हालात से दो-चार होना पड़ा, उसमें उनके लिए जनसंख्या नियंत्रण की मासूली आनंदी ही रही।

संतोष चन्द्र, प्रधान संपादक (गुरुज्योति पत्रिका)

## युवाओं ने उठाया बिठा, बनाएंगे हरियालो सवार्डपुरा

युवाओं का संकल्प गांव को बनाएंगे हरियालो सवार्डपुरा

गुरुज्योति पत्रिका/रोहट। रोहट क्षेत्र के सवार्डपुरा के युवाओं ने श्री राजेश्वर भगवान की 79 वर्ष बरसी महोत्सव के शुभ अवसर पर 27 जुलाई को सवार्डपुरा गांव में 151 पौधे लगाने का संकल्प लिया। साथ ही युवाओं ने उनकी सुरक्षा को लेकर ट्री गाँड़ लगाने के साथ साथ उन्हें नियमित पानी देने की व्यवस्था को लेकर भामाशाहों की मदद से व्यवस्था करने का संकल्प लिया। सवार्डपुरा के युवाओं की मेहनत व लगान से गांव को हरियालो बनाने के लिए युवा लोग दिन रात मेहनत कर रहे हैं, युवाओं ने बताया कि गांव के विकास हेतु हर वक्त आगे रहेंगे। सवार्डपुरा के युवा दुसरे गांवों के लिए बने प्रेरणादायक, पेड़ लगाओ जीवन बचाओ का दिया संदेश।

## जाविया के जंगल में पकड़ा दस फिट लम्बा अजगर

वन विभाग एवं ग्रामीणों की मदद से किया रेसक्यु

गुरुज्योति पत्रिका/जसवंतपुरा। जसवंतपुरा उपखण्ड मुख्यालय के निकटम जाविया वन क्षेत्र में वन विभाग एवं ग्रामीणों की सहायता से पकड़ कर वन विभाग द्वारा सुरक्षित स्थान पर छोड़ गया। जाविया जंगल में खोड़ेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर स्थित है एवं इस जंगल को इसके फेढ़ली वन क्षेत्र घोषित किया हुआ है। वनप्रेमी प्रवीणसिंह देवल जाविया ने जंगल में दस फिट लम्बा अजगर देखने पर तुरन्त वन विभाग जसवंतपुरा एवं ग्रामीणों को सुचित किया जिस पर वन विभाग जसवंतपुरा क्षेत्रीय वन अधिकारी कृष्णकुमार परमार, नवपाल प्रकाशकुमार, नव रक्षक अशोक विश्वानी, हरीसिंह मैके पर पहच कर ग्रामीणों की सहायता से दो घंटों की मेहनत से दस फिट लम्बा अजगर पकड़ कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।

## भामाशह गोवाणी द्वारा कराये जा रहे विकास कार्यों का किया अवलोकन

गुरुज्योति पत्रिका/भीनमाल। स्थानीय जी के गोवाणी राजकीय महाविद्यालय में भामाशह कनिकालत गोवाणी ने मुख्य से यहां आकर उनके द्वारा कराये जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया। भामाशह ने विकास कार्यों का अवलोकन करने के बाद विज्ञान संकाय परिसर व छात्रवास का जीवोंद्वारा शीत्र पूर्ण करने का आश्रमन दिया। गोवाणी ने पूर्व में पूर्ण कराये गये मुख्य परिसर की अवलोकन किया एवं महाविद्यालय परिसर की स्वच्छता व साफ सफाई की प्रशंसनी की। महाविद्यालय स्टॉफ क्राफ्ट के जीणोंद्वारा को उहाने लिए गये विद्युत गति से पूर्ण करने हेतु टेकेदार को निर्देश दिये। मॉडिया प्रभारी एवं महाविद्यालय विकास समिति के सदस्य माणिकल भंडारी ने बताया कि इस अवसर पर प्राचीन औंसिप्रा रानी ने भामाशह द्वारा महाविद्यालय में विशिष्ट प्रकार के खेल मैदानों में यथ विविध विद्युत गति से घटने के द्वारा लगाये गये विद्युत गति के अवलोकन करने के लिए विकास कार्यों के द्वारा लगाये गये विद्युत गति के अवलोकन किया जायेगा। भामाशह गोवाणी द्वारा कराये जा रहे विकास कार्यों पर प्राचीन व ग्रामीण सदर्शों ने देखते चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुमान भी व्यक्त किया गया है कि अगले तीन दशकों में दुनिया की जनसंख्या दो अरब और बढ़ जाएगी। और भारत के सदर्श में देखें तो चौंकाने वाली बात यह है कि अगले साल यारी 2023 तक आबादी का अंकड़ा आठ अरब छू जाने का अनुमान है। सात अरब का अंकड़ा साल 2011 में आया था। रिपोर्ट में यह अनुम

